भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें

फरवरी 2022 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

(1) शीतकालीन चावल

- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान पुआल को खेत में न जलाएं।*
- *धान की कटाई के बाद धान के दानों को खपत के लिए 14% नमी तक धूप में सुखाया जाना चाहिए और बीज के उद्देश्य के लिए इसकी बेहतर भंडारण हेतु 12% नमी तक सुखाया जाना चाहिए। उपज की बेहतर कीमत के लिए तथा मिश्रण के बिना प्रत्येक किस्म को अलग-अलग पैक करें।*
- *धान / चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग 'का उपयोग करें या काटे गए धान को सुरक्षित भंडारण के लिए उपयुक्त तरीके से ढक कर उचित बैग में और ढेर में भंडारण करें।*
- *भंडारित अनाजों में संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड की 3 टिकियां / टन अनाज (कुल 9 ग्राम) टिकियां दर से उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद कंटेनरों में धूमक दें (आवास घरों में उपयोग न करें) या बिना जगह छोड़े अनाज की बोरियों को मोटी तिरपाल से ढक दें। टिकिया को स्टैक में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन को पूरा करने के बाद अवशेष को हटाने में मदद करता है। गैस का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी / रेत / चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत के साथ प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की बिना ढके हुए रखें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान पुआल को खेत में न जलाएं।*

2) ग्रीष्मकालीन चावल

2.1 प्रतिरोपित धान

- *नर्सरी में, जहाँ तना छेदक संक्रमण होने की संभावना दिखाई पड़ती है, स्कीररोफोलर के साथ फेरोमोन जाल (कम से कम 3 जाल प्रति नर्सरी 200 वर्गमीटर में) स्थापित करने की सिफारिश की जाती है। जब नर कीट की संख्या 4 या 5/जाल तक हो जाए, एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी घोल 800 मिली / एकड़ दर से छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से छिड़काव करें।*
- *यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का संक्रमण देखा जाता है, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी घोल 800 मिली/एकड़ दर से छिड़काव करें या लैम्ब्डा-साइहेलोथ्रिन 5% ईसी घोल 200 मिली / एकड़ दर से या थियामेथोक्साम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम / एकड़ दर से छिड़काव करें।*

- *पत्ती प्रध्वंस संक्रमण के मामले में, टेबूकोनाजोल 50% + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 80 ग्राम प्रति एकड़ दर से या आइसोप्रोथियोलन 40 ईसी 300 मिलीलीटर प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*
- *यदि धान की नर्सरी में पौध अंगमारी रोग देखी जाती है, तो कार्बेन्डाजिम 400 ग्राम प्रति एकड़ या प्रोपिकोनाजोल 200 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर डालें।*
- *3-5 सप्ताह वाली पौधों को अच्छी से की गई कीचड़दार खेत में 15 सेमी × 15 सेमी की दूरी पर 3-4 पौधा प्रति पूंजा गहराई पर रोपें।*
- *जीवाणुज अंगमारी वाले आक्रांत क्षेत्रों में, रोपाई से पहले अंकुरित पौधों की जड़ों को 0.1% प्लांटोमाइसिन के घोल में 30 मिनट के लिए डुबोएं।*
- *खेत को अंतिम बार कीचड़दार बनाने के दौरान आधारी मात्रा के रूप में (डीएपी 44 किग्रा + एमओपी 22 किग्रा) या (यूरिया 22 किग्रा + एसएसपी 125 किग्रा + एमओपी 22 किग्रा) प्रयोग करें।*
- *जिन किसानों ने पहले ही रोपाई पूरी कर ली है, रोपाई के 5-8 दिनों के बाद वे दानेदार शाकनाशी बेंसल्फ्यूरॉन-मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर 4 किग्रा/ एकड़ की दर से प्रयोग करें। दानेदार शाकनाशी को 4 किलो रेत/एकड़ में मिलाकर समान रूप से छिटकावा विधि से खेत में प्रयोग करें या रोपाई के 3-5 दिनों के बाद पायराज़ोसल्फ्यूरॉन-एथिल 10 डब्ल्यूपी 80 ग्राम / एकड़ दर से 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या रोपाई के 10-15 दिनों बाद या खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिलीलीटर/एकड़ दर पर या 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *केवल रोपे गए खेत में पीला तना छेदक और पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए धान के खेत में 5 मिलीग्राम ल्यूर/एकड़ के साथ 3 फेरोमोन ट्रैप लगाएं। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ दर पर या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर पर छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर पर 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।*
- *बकाने रोग का प्रकोप दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर दोबारा छिड़काव करें।*
- *स्थापित प्रतिरोपित धान के खेत में 35 किग्रा/एकड़ की दर से 20-25 डीएटी (अधिकतम दौजियां निकलने की अवस्था) पर टॉप ड्रेसिंग के रूप में यूरिया डालें।*

(2.2) आर्द्र सीधी बुआई चावल

- *यदि आविर्भाव-पूर्व शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बुआई के 5-10 दिन के बाद आविर्भाव-पश्चात रेडी मिक्स दानेदार शाकनाशी बेनसल्फ्यूरॉन मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर 4 किलोग्राम रेत में मिलाकर 4 किग्रा/एकड़ दर से प्रयोग करें या बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिलीलीटर/एकड़ दर पर या 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या बुआई करने के 10-12 दिनों बाद खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिली / एकड़ की दर से प्रयोग करें या बुआई करने के 15-20 दिनों बाद पेनोक्सुलाम 1.02%*

+ साइहालोफाप-ब्यूटाइल 5.1% 800 मिली/एकड़ दर पर 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

- *दौजियों निकलने के समय (बुआई करने के 20-25 दिन) निराई के बाद प्रति एकड़ 24 किलो यूरिया क टॉप ड्रेसिंग करें।*
- *पीला तना छेदक की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ दर पर या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर पर छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर पर 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।*
- *प्रध्वंस संक्रमण दिखाई देने पर, कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% + टेबूकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या एडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित धान विशेषज्ञ मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।*